यूं तो हर आदमी कुछ न कुछ नया करता रहता है।
लेकिन कलाकार, लेखक, वैज्ञानिक, अकादमीशियन और अपने अपने हुनर के दीवाने
कुछ न कुछ ऐसा करते हैं जिससे सोच विचार का दायरा बढ़ सकता है
या कला-संस्कृति में एक हलचल पैदा हो सकती है।
इस पन्ने पर इसी तरह के लोगों के नए-नए कारनामों, परियोजनाओं उपलब्धियों की संक्षिप्त खबरें यहां दी जा रही हैं।

● गरली परागपुर में जन्मे **कुलदीप सूद** फिल्म जगत के जाने माने सांउड इंजीनियर हैं। फिल्मों को संवाद, संगीत, ध्वनि प्रभाव से जोड़कर सजीव बनाने के फन में माहिर हैं। हाल में उन्होंने हिमेश रेशमिया की **आपका सुरूर** फिल्म की साउंड मिक्सिंग रिकार्डिंग की। शाहरूख खान की **ओम शांति शांति,** सुभाष घई की **ब्लैक एंड वाइट** और टी सीरिज की एक फिल्म का काम चल रहा है।

● हिमाचल नाट्य शोध संस्थान मंडी के निदेशक **सुरेश शर्मा** 1999 से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के रंगमंडल के भी प्रमुख हैं। रंगमंडल ने अगस्त महीने में नेहरू सेंटर के नाट्योत्सव में अपने नाटक खेले। इसमें इनका निर्देशित नाटक **काफ्का** भी था।

● कला निर्देशक चौकस भारद्वाज (धर्मशाला से) पूरे जोशोखरोश के साथ हिंदी फिल्मों के कला निर्देशन में जुटे हुए हैं। इनका नया काम **द ट्रेन, सलाम इंडिया** में देखा जा सकता है। अगली फिल्में हैं गुड्डू धनुआ की **अगर, जय बीरू, खुशबू, कैसे कहें, काश मेरे होते और मेघना गुलजार की दस कहानियां।**

● कहते हैं होनहार बिरवान के होत चीकने पात। ऊना के लेखक निर्देशक एच गौतम की बेटी **भावना** बाल कलाकार रह चुकी हैं। अब फना वाले कुणाल कोहली की सहायक निर्देशक हैं। सैफ अली खान और रानी मुखर्जी के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू हो रही है। यशराज फिल्म्स की **चक दे इंडिया** अगस्त में रिलीज़ हुई। साजिदखान की **हे बेबी** में भी भावना सहायक निर्देशक हैं।

● राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्नातक नीरज सूद (भवारना, कांगड़ा के) अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय हैं। टीवी धारावाहिक **किट्टू सब जानती है** और फिल्म **ब्लैक एंड वाइट** इनके नए प्रोजेक्ट थे।

● इधर खबर है कि हिमाचली साहित्यकार **डॉ. गौतम व्यथित** और **डॉ. प्रत्यूष गुलेरी** ने न्यूयॉर्क में हो रहे विश्व हिंदी सम्मेलन में हिस्सा लिया है।

● धर्मशाला के **मगन पथिक** को सिक्किम सरकार ने नेपाली, क्षेत्रीय भाषा, संस्कृति और संगीत के लिए राष्ट्रीय साहित्य पुरस्कार दिया। यह पुरस्कार मगन पथिक और सिक्किम के लील बहादूर क्षत्री को संयुक्त रूप से दिया गया।

● डॉ. **अशोक जेरथ** ने साहित्य अकादमी के लिए हजारी प्रसाद द्विवेदी के **मोनोग्राम** का डोगरी में अनुवाद हाल में पूरा किया। हिमालयी अध्ययन संस्थान की एक फेलोशिप के तहत **हमारी बिरासत : शिमला तथा उसके आस पास के भवनों** पर उन्होंने शोध किया। यह पुस्तक प्रकाशित हो गई है। डॉ. जेरथ इसी संस्थान के लिए कांगड़ा और आसपास के किलों तथा महलों पर भी अध्ययन कर रहे हैं।

● साहित्यकार **प्रेम भारद्वाज** ने नेशनल बुक ट्रस्ट के लिए आजादी से बाद की पहाड़ी कविता को संपादित किया है। **सीरां** नाम के इस संग्रह में 71 कवियों की दो सौ कविताएं हैं। ट्रस्ट के स्वर्ण जयंती समारोह में पुस्तक का विमोचन हुआ।

● धर्मशाला के **डॉ तिलक धीमान,** पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय और करनाल में पढ़े और अब अमरीका के ओटा विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफैसर हैं। वे इन दिनों उपभोक्ता की सेहत के लिहाज से दूध के फैटी एसिड में तब्दीली लाने पर शोध कर रहे हैं। दूसरी तरफ इनके इस काम में डेरी फार्मों की गायों के चारे की पोषकता बढ़ाना भी शामिल है।

महत्वपूर्ण और रचनात्मक काम
के बारे में संक्षिप्त तथ्यात्मक
जानकारी का स्वागत है।
साथ में अपना चित्र भी भेजें।